आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 08 लखनऊ, गुरूवार 28 मई से 06 जून, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

प्रवासियों को अनुमति देने के मामले में योगी का यू–टर्न

राकेश पाण्डेय निश्छल, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिन पहले की गई घोषणा पर यू–टर्न ले लिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि अन्य राज्य यूपी के श्रमिकों को रोजगार देते हैं तो उन्हें अनुमति लेने की आवश्यकता होगी। इस मुद्दे ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था और अब एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा है कि सरकार प्रवासन आयोग के उपनियमों में 'पूर्व अनुमति' के इस खंड को शामिल नहीं करेगी। सरकार के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि राज्य लौटने वाले प्रवासी कामगारों को नौकरी और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए आयोग गठित करने के तौर–तरीकों पर काम हो रहा है। प्रवासन आयोग को 'श्रमिक कल्याण आयोग' नाम दिया है। लगभग २६ लाख प्रवासी पहले ही राज्य में लौट आए हैं और उनके कौशल को ध्यान में रखकर उन्हें काम और नौकरी दिलाने में मदद करने की कवायद की जा रही है। टीम ११ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "मुख्यमंत्री ने आयोग की स्थापना के लिए तौर–तरीकों पर चर्चा की। साथ ही अन्य राज्यों को हमारी जनशक्ति को रोजगार देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व अनुमति लेने की कोई आवश्यकता

नहीं होगी। आयोग की स्थापना की जा रही है। श्रमिकों को रोजगार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैयारी जा रही है। हम प्रवासियों को घर और ऋण आदि देने के लिए सरकारी योजनाओं से भी जोड़ेंगे।" योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि उत्तर प्रदेश वापस आने के इच्छुक प्रवासी श्रमिकों के बारे में पता लगाने के लिए सभी राज्य सरकारों को पत्र भेजा जाना चाहिए। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने रविवार को एक वेबिनार में कहा था, "माइग्रेशन कमीशन प्रवासी श्रमिकों के हित में काम करेगा। अगर कोई अन्य राज्य यूपी का मैनपावर चाहता है, तो वे उन्हें वैसे ही नहीं ले सकते हैं, इसके लिए उन्हें उप्र सरकार से अनुमति लेनी होगी। जिस तरह से हमारे प्रवासी कामगारों के साथ अन्य राज्यों और देशों में बुरा व्यवहार किया गया, यूपी सरकार उनके साथ है और वह उनके बीमा, सामाजिक सुरक्षा को अपने हाथों में लेगी।" उनके इस बयान पर कुछ राजनीतिक नेताओं और दलों ने सवाल उठाया था।

मोदी ने दी नेहरू को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि के मौके पर आज उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने ट्वीट कर कहा, हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि।

उल्लेखनीय है कि पंडित नेहरू का २७ मई १९६४ को निधन हो गया था। वह अंग्रेजों के खिलाफ आजादी के आंदोलन के दौरान नौ बार जेल गये थे।

२०२१ तक रहेगा कोरोना : प्रोफेसर झा

नई दिल्ली। भारतीय मूल के जाने माने अमेरिकी लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञ आशीष झा ने बुधवार को कहा कि कोविड–१९ वायरस अगले साल तक रहने वाला है और लॉकडाउन के बाद आर्थिक गतिविधियां आरंभ करते समय लोगों के बीच विश्वास पैदा करने की जरूरत है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद के दौरान ब्राउन यूनिवर्सिटी स्कूल अफ पब्लिक

हेल्थ के नवनियुक्त डीन झा ने यह भी कहा कि भारत को लॉकडाउन और कोरोना जांच को लेकर रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रभाव के साथ ही इसका मनोवैज्ञानिक असर भी है और सरकारों को इस ओर भी ध्यान देने की जरूरत है। हारवर्ड ग्लोब्ल हेल्थ इंस्टीट्यूट के निदेशक झा ने कहा, इस वायरस का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी है। लकडाउन के जरिए आप अपने लोगों को एक तरह का संदेश देते है कि स्थिति गंभीर है। ऐसे में जब आप आर्थिक गतिविधियां खोलते हैं तो आपको लोगों में विश्वास पैदा करना होता है। उनके मुताबिक यह वायरस अगले १८ महीने यानी २०२१ तक रहने वाली समस्या है। अगले साल ही कोई टीका या दवा आएगी। लोगों को समझने की जरूरत है कि अब जीवन बदलने वाला है। अब जीवन पहले जैसा नहीं रहेगा। लॉकडाउन से जुड़े राहुल गांधी के एक सवाल के जवाब में झा ने कहा कि सरकारों को रणनीति बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए अच्छी बात यह है कि उसके पास बड़ी संख्या में नौजवान आबादी है जिसके लिए कोरोना घातक नहीं होगा। बुजुर्गों और अस्पतालों में भर्ती लोगों का ख्याल रखना होगा।

कोरोनाः मृतक संख्या बढ़कर 4,531 हुई, संक्रमित पहुंचे 1.58 लाख

नई दिल्ली। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण देश में पिछले २४ घंटे में १९४ और लोगों की मौत हो जाने से बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक इस घातक बीमारी से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर ४,५३१ हो गई और संक्रमण के ६,५६६ नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर १,५८,३३३ हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि देश में ८६,११० संक्रमित लोगों का उपचार चल रहा है, ६७,६९१ लोग इलाज के बाद संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और एक मरीज विदेश चला गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "अभी तक ४२.७५ प्रतिशत मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।" देश में जिन लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है, उनमें विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

सीबीएसई बोर्ड के छात्रों को बड़ी राहत

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, सीबीएसई के छात्रों के सरकार ने बड़ी राहत दी है। केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने बुधवार को सीबीएसई बोर्ड के उन छात्रों को बड़ी राहत देने की घोषणा की, जो इस साल परीक्षा दे रहे हैं और जिनकी परीक्षा अधूरी रह गई है। निशंक ने ट्विट करके कहा कि कोरोना संकट के कारण जो बच्चे अपने गृह प्रदेश चले गए हैं या प्रदेश में भी अपने बोर्ड परीक्षा के सेंटर वाले जिले में नहीं हैं ऐसे छात्र–छात्राएं बोर्ड परीक्षा अपने गृह जिले में ही दे सकेंगे। इसके लिए उन्हें अपने स्कूल को जिले और करीब के सेंटर की जानकारी देनी होगी। गौरतलब है कि कोरोना वायरस की वजह से बड़ी संख्या में छात्र अपने घर लौटे हैं। बहरहाल, निशंक ने कहा कि बच्चों की परेशानी को देखते हुए उन्हें यह राहत देने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा– अब बच्चों को चाहिए कि वे जल्दी से जल्दी अपने स्कूल से संपर्क करके उन्हें अपने गृह जिले के बारे में बता दीजिए कि आप वहीं रह कर बाकी के पेपर्स देना चाहते हैं। स्कूल और विभाग इसकी पूरी व्यवस्था करके जून के पहले सप्ताह तक बच्चों को सेंटर की जानकारी दे देंगे। गौरतलब है कि कोरोना लॉकडाउन के कारण सीबीएसई ने ८३ विषयों की परीक्षाएं रोक दी थीं। इसके बाद बोर्ड ने बड़ा फैसला किया कि इन ८३ विषयों में से २६ विषयों की ही परीक्षाएं होंगी। ये वहीं विषय होंगे, जो अगली क्लास में जाने के लिए जरूरी हैं।

घर बैठे ओडीओपी कारीगरों को ऋण दिलाने का इंतजाम कर रही यूपी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना को परवान चढ़ाने के लिये सरकार कारीगरों और इकाईयों को घर बैठे ५६ मिनट में ऋण दिलाने का इंतजाम कर रही है। सूबे के उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन (एमएसएमई) मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह तथा औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने बुधवार को खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड कार्यालय में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा निर्मित ऑनलाइन प्लेटफार्म का शुभारम्भ किया। यह ऑनलाइन प्लेटफार्म ओडीओपी योजना के अंतर्गत ऋण सुविधा प्राप्त करने के लिए एक समर्पित पोर्टल है। इस प्लेटफा र्म के माध्यम से ओडीओपी कारीगर एवं इकाईयां घर बैठे ५६ मिनट में लोन स्वीकृत करा सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म ओडीओपी ऋणों के स्वचालित अनुमोदन में भी सहायता करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस पोर्टल की परिकल्पना प्रमुख सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग तथा खादी एवं ग्रामोद्योग नवनीत सहगल ने की थी। ओडीओपी कारीगरों और इकाइयों को लाभ दिलाने के सम्बन्ध में उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा और ओडीओपी के बीच एक करार पिछले साल अक्टूबर में कराया था। ऑनलाइन लोन प्लेटफार्म के इस डोमेन के तहत ओडीओपी कारीगरों और इकाइयों के बीच बैंक क्रेडिट प्रसार के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा थर्ड–पार्टी ऋण एग्रीगेटर्स की भूमिका निभायेगा। इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा ओडीओपी सेल के साथ मिलकर एक वेंचर कैपिटल फण्ड बनाएगा। यह फंड मुख्य रूप से ओडीओपी स्टार्ट–अप्स या नई इकाइयों की फंडिंग करेगा। इस फण्ड के सम्बन्ध में, बैंक ऑफ बड़ौदा निवेश मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार होगा, जबकि निवेश की मंजूरी एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा प्रदान की जाएगी।

सम्पादकीय

ये डर बेजा नहीं

लाखों की संख्या में प्रवासी मजदूर अपने गांव लौट चुके हैं। इससे अपने घर पहुंच जाने का संतोष उन्हें जरूर मिला मगर वहां उन्हें कई तरह की गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। असल बात तो यह है कि गांवों में काम के मौके नहीं होने की वजह से ही उन्होंने पलायन किया था। अब वहां कोई ऐसा जादू नहीं हो गया है कि वे अपने गांवों में ही रोजी–रोटी का इंतजाम कर लें। फिर उनको लेकर वहां छुआछूत की भावना भी है। ज्यादातर लोग उनमें कोरोना संक्रमण की संभावना सोच कर उनसे मिलने–जुलने से बच रहे हैं। ये डर बेजा नहीं है। ये सच है कि प्रवासी मजदूरों के लौटने के बाद बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के गांवों– कस्बों में संक्रमण के मामले बढ़ने लगे हैं। छोटे शहरों में अब तक संक्रमण की रफ्तार बेहद कम थी। मगर वहां हर दिन ज्यादा संख्या में पजिटिव केस सामने आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में बस्ती, आजमगढ़, जौनपुर, संभल, बहराइच, बाराबंकी जैसे जिले इसकी मिसाल हैं। लखनऊ से लगे बाराबंकी जिले में संक्रमित लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि श्रमिक स्पेशल ट्रेनों, सरकारी बसों और अन्य वैध साधनों से आने वालों की संख्या से कहीं ज्यादा ऐसे लोग हैं जो अलग–अलग जरियों से अपने आप ही अन्य राज्यों से चले आए। इनमें से कुछ क्वारंटीन सेंटरों में गए, लेकिन बहुत से लोग ऐसे हैं जो सीधे र अपने घरों और गांवों में पहुंच गए। आने वाले ज्यादातर प्रवासी मुंबई, दिल्ली और गुजरात से हैं, जहां कोरोना संक्रमण की स्थिति देश में सबसे ज्यादा खराब है। वैसे प्रवासी मजदूरों को क्वारंटीन में रखने में प्रशासन की लापरवाही और नाकामी दोनों सामने आई हैं। क्वारंटीन सेंटरों की स्थिति ऐसी है कि वहां से लोग भाग जाते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के कई जगहों से क्वारंटीन सेंटरों से लोगों के भागने या फिर अव्यवस्थाओं को लेकर शिकायतें करने की खबरें आई हैं। खास चिंता की बात यह भी है कि उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों ही राज्यों में अभी भी मजदूरों के आने का सिलसिला जारी है। अभी लाखों और लोगों के आने की संभावना है। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक आगे आने वाले लोगों को क्वारंटीन सेंटरों पर भेजा जाएगा। मगर अब तक का अनुभव भरोसा नहीं बंधाता। फिलहाल, तो आने वाले दिन बेहद चुनौती भरे दिखते हैं।

उत्तर प्रदेश में २४ घंटों में कोरोना के २२६ नए मामले

लखनऊ। प्रवासी श्रमिकों की बढ़ती आमद ने उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण को हवा दे दी है। राज्य में अब तक मिले संक्रमण के कुल मामलों में करीब २३ फीसदी प्रवासी हैं। पिछले २४ घंटो में राज्य के अलग अलग जिलों में कोविड–१६ से पीड़ित आठ लोगों की मौत हो गयी। इस अवधि में संक्रमण के २२६ नये मामले सामने आये जबकि अस्पताल में पहले से भर्ती १६४ लोग स्वस्थ भी हुये। राज्य में अब तक ६७२४ मरीजों के नमूनों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि की जा चुकी है जिनमें ३८२४ स्वस्थ हो चुके हैं वहीं १७७ काल कलवित हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार राज्य में अब तक कोरोना की दो लाख ४० हजार ५८८ नमूनों की जांच की गयी है जिनमें दो लाख ३२ हजार नमूने निगेटिव मिले है वहीं १५७४ की जांच रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। प्रवासी श्रमिकों को कड़ी जांच के बाद घर जाने को मिल रहा है। १४ दिन तक क्वारंटीन में रहने के दौरान अब तक ५६ हजार ६६० संदिग्धों के नमूनों की जांच की गयी जिनमें १७२५ कोरोना संक्रमित पाये गये। राज्य भर में नौ लाख से अधिक प्रवासियों के स्वास्थ्य पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

केन्द्र व महाराष्ट्र सरकार के विवाद में लाखों प्रवासी बुरी तरह से पिस रहे हैं : मायावती

राकेश पाण्डेय निश्छल

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि केन्द्र व महाराष्ट्र सरकार के विवाद में लाखों प्रवासी बुरी तरह से पिस रहे हैं। मायावती ने बुधवार को ट्वीट कर कहा, "केन्द्र व महाराष्ट्र सरकार के बीच विवाद के कारण लाखों प्रवासी श्रमिक अभी भी बहुत बुरी तरह से पिस रहे हैं जो अति–दुःखद व दुर्भाग्यपूर्ण। जरूरी है कि आरोप–प्रत्यारोप छोड़कर इन मजलूमों पर ध्यान दें ताकि कोरोना की चपेट में फंसकर इन लोगों की जिन्दगी पूरी तरह बर्बाद होने से बच सके।" उन्होंने आगे लिखा, "वैसे भी चाहे बीजेपी की सरकारें हों या फिर कांग्रेस पार्टी की, कोरोना महामारी व लम्बे लॉकडाउन से सर्वाधिक पीड़ित प्रवासी श्रमिकों व मेडिकलकर्मियों के हितों की उपेक्षा व प्रताड़ना जिस प्रकार से लगातार की जा रही है वह भी उचित व देशहित में कतई नहीं है। सरकारें तुरन्त ध्यान दें।" इसके पहले उन्होंने लिखा था कि "आज पूरे देश में

कोरोना लॉकडाउन के कारण करोड़ों प्रवासी श्रमिकों की जो दुर्दशा दिख रही है उसकी असली कसूरवार कांग्रेस है क्योंकि आजादी के बाद इनके लम्बे शासनकाल के दौरान अगर रोजी–रोटी की सही व्यवस्था गांव–शहरों में की होती तो इन्हें दूसरे राज्यों में क्यों पलायन करना पड़ता।" इस पर कांग्रेस ने मायावती पर पलटवार कर उन्हें 'ट्विटर बहनजी' बताया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मायावती भाजपा की भाषा बोलती हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पीएल पुनिया ने कहा कि 'ट्विटर बहनजी' जिस तरह की भाषा और ट्वीट का इस्तेमाल कर रही हैं, उससे साफ पता चलता है कि वह बीजेपी का प्रेस नोट बनाकर भेजती हैं। वह कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की सक्रियता पर नाराज महसूस करती हैं। कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बृजलाल खाबरी आरोप लगाया कि मायावती और दलित विरोधी भाजपा में अंदरखाने समझौता हो गया है और मायावती बीजेपी की अघोषित प्रवक्ता हैं।

पंखे से लटकता मिला नव विवाहिता का शव

लखनऊ। राजधानी में नव विवाहिता का शव पंखे से लटकता मिला। तीन माह पहले हुई शादी का दर्दनाक अंत हुआ। वहीं, मृतक के परिजनों ने ससुराल जनों पर दहेज के लिए हत्या की तहरीर दी है। पुलिस के मुताबिक, मामले की छानबीन की जा रही है।मामला बंथरा थानाक्षेत्र का है। यहां के रहने वाले विनीत साहू से तीन माह पहले रोशनी (२४) की शादी हुई थी। रविवार को सुबह पांच बजे नव विवाहिता का शव कमरे में पंखे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमर्टम के लिए भेजा है। मृतका के परिजनों ने दहेज हत्या का ससुरालियों पर आरोप लगाया है। प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह रावत का कहना है कि महिला का शव उसके घर में पंखे के हुक से लटका पाया गया है। मौत की वजह पीएम रिपोर्ट आने पर पता चल सकेगी।

श्रमिक ट्रेन में दो यात्रियों के शव मिले

वाराणसी। श्रमिक स्पेशल ट्रेन में यात्रा कर रहे दो यात्री बुधवार सुबह उस वक्त मृत पाए गए, जब यह ट्रेन मुंबई से चलकर वाराणसी

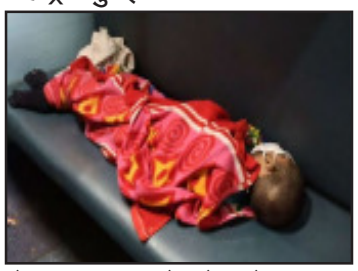

के मंडुवाडीह रेलवे स्टेशन पर पहुंची। रेलवे के कर्मचारियों द्वारा इन शवों को उस वक्त बरामद किया गया, जब अन्य सभी यात्री ट्रेन से उतर चुके थे और ट्रेन को साफ–सफाई के लिए यार्ड में भेज दिया गया था। इसके बाद रेलवे पुलिस को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने शव को अपने कब्जे में ले लिया। मृतकों में से एक की पहचान दशरथ प्रजापति (२०) के रूप में की गई, जो शारीरिक रूप से असक्षम था। वह जौनपुर के बदलापुर में अपने घर जा रहा था। दूसरे की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। जीआरपी डीएसपी अखिलेश राय ने कहा कि प्रजापति के परिवार वाले शव को लेने के लिए पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम के लिए शवों को भेजने की औपचारिकताओं का ध्यान रखा जा रहा है। ट्रेन ने मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल से अपने सफर की शुरुआत की थी।

आरोपित कामरान अमीन को छोड़ने के लिए अब उसके साथी दी धमकी

लखनऊ। मुख्यमंत्री को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोपित कामरान अमीन को छोड़ने के लिए अब उसके साथी ने डायल ११२ के सोशल मीडिया डेस्ख्क के वाटस एप नंबर पर धमकी दे डाली। मामले की पड़ताल के दौरान एसटीएफ ने महाराष्ट्र के बंगला नं० १६, जीनत मंजिल, दारूलस्लाम कालोनी मदीना चौक, नासिक निवासी सैय्यद मोहम्मद फैसल को दबोच लिया। फैसल मूलरूप से सैय्यद हाउस तुरकहिया, शिवनगर बस्ती का रहने वाला है। प्रभारी एसटीएफ व एएसपी विशाल विक्रम सिंह के मुताबिक डायल ११२ के सोशल मीडिया डेस्क के व्हाट्सएप पर २१ मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इस मामले में गोमतीनगर थाने में एफआइआर दर्ज की गई थी। इसके बाद एसटीएफ ने मुंबई एटीएस के सहयोग से कामरान अमीन को गिरफ्तार किया था। रविवार को आरोपित को मुंबई के न्यायालय में पेश कर २७ मई तक का ट्रांजिट रिमांड पर लेकर एसटीएफ लखनऊ के लिए रवाना

हुई थी। इसी बीच रविवार को ही दोबारा धमकी भरा मैसेज मिला। आरोपित ने वाटस एप नंबर पर ध मकी देने के साथ ही गोमतीनगर इंस्पेक्टर के सीयूजी नंबर पर भी फोन कर कामरान को न छोडने पर अन्जाम भुगतने की धमकी दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र के एटीएस से सहयोग मांगा गया। इसके बाद जिस नंबर से धमकी भरा मैसेज भेजा गया था, उसका उपयोग करने वाले सैय्यद मोहम्मद फैसल को दबोच लिया गया। आरोपित के पास से मोाबइल फोन और सिम कार्ड बरामद किया गया है। आरोपित ने अपने फोन से धमकी दिए जाने वाला मैसेज डिलीट कर दिया था। पूछताछ में आरोपित सैय्यद मोहम्मद फैसल ने बताया कि वह बी–काम कर रहा है। आरोपित के पिता अम्बिका प्रताप नारायण राजकीय लॉ कालेज बस्ती में लेक्चरर हैं। आरोपित अपने मामू के यहॉ नासिक में रह कर पढाई कर रहा था और देवबंद वहाबी को मानने वाला है। यही नहीं वह मदनी सेंटर मस्जिद व दारूल इस्लाम मस्जिद बजरंग नगर, अम्बाड, नासिक जाता रहता है जिसके ट्रस्टी उसके मामू हैं। एसटीएफ ने आरोपित को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर लखनऊ ला रही है।

३१ मई को होने वाली सेना भर्ती स्थगित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ३१ मई को होने वाली सेना के लिये आम प्रवेश परीक्षा(सीईई) को स्थगित कर दिया है। सेना सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया फतेहपुर में १३ जिलों के लिए गत दो फरवरी को आयोजित की गई भर्ती रैली के लिए आम प्रवेश परीक्षा (सीईई) आगामी ३१ मई को एएमसी सेंटर एंड कलेज, लखनऊ में निर्धारित की गई थी। उन्होंने बताया कि कोविड–१९ महामारी के कारण उसे अब स्थगित कर दिया गया है। इस बारे में अभी निश्चित तारीख अभी तय नही की गयी है। निर्देश मिलने के बाद में शीघ्र ही इसकी घोषणा की जायेगी।

महिला ने दारोगा पर पिटाई का लगाया आरोप

लखनऊ। रायबरेली रोड स्थित कल्ली पश्चिम गावँ मे रहने वाली एक महिला ने सोमवार की सुबह एसीपी कैन्ट कार्यलय पहुच कर

कल्ली पश्चिम चौकी प्रभारी पर बन्द कमरे में पट्टे से पिटाई करने का आरोप लगाते हुए एसीपी से न्याय की गुहार मांगी है। पीडिता को कार्यवाही के लिए वापस पीजीआई थाना भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक,कल्ली पश्चिम गावँ निवासी बाबूलाल,पत्नी रामावती अपने परिवार के साथ रहता है। बीते शनिवार की रात करीब ८ बजे घर के बाहर बने शौचालय को लेकर जेठ प्रेम रैदास से कहासुनी होने पर मारपीट हो गई। एक पक्ष ने डायल ११२ पे पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो पक्षों को पीजीआई कोतवाली ले आई। उन्होनें बताया कि चौकी प्रभारी ने उनके विरिधियो से मिल कर उन पर दबाव बनाकर जबरन सादे कागज पर सुलहसमझौता के लिए हस्ताक्षर करवा लिया। महिला ने आरोप लगाया कि हस्ताक्षर करने के विरोध करने पर चौकी प्रभारी ने महिला को बन्द कमरे में पट्टे से पिटाई कर दी। जिसके बाद पीड़ित महिला ने सोमवार की सुबह एसीपी कैंट कार्यलय पहुच कर कल्ली चौकी प्रभारी विमल कुमार बैगा पर मारपीट करने की तहरीर दी है। जहाँ से उसे पीजीआई इंस्पेक्टर के पास जाँच के लिए भेज दिया गया है। वहीं, चौकी प्रभारी विमल कुमार बैगा ने बताया कि दोनों पक्षों ने शौचालय को लेकर मारपीट की थी,उसके बाद ही कंट्रोल रूम पुलिस को सूचना दी गई थी, मेरे ऊपर लगाये गए आरोप गलत हैं, मेरे द्वारा मारने का आरोप लगाना गलत है।

लखनऊ मे मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने का झांसा देकर 41 लाख हड़पे

लखनऊ। सरकारी मेडिकल कालेज में दाखिला दिलाने का झांसा देकर बिहार के जालसाज ने राजधानी निवासी एक महिला से ४१ लाख रुपये ठग लिए। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग कालोनी निवासी संध्या सिंह से उनके बेटे का दाखिला कराने के लिए इतनी बड़ी रकम हड़पी गई। पीड़िता ने जानकीपुरम थाने में एफआइआर दर्ज कराई है। संध्या सिंह के पति जितेंद्र सिंह इंडो–तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आइटीबीपी) में तैनात हैं। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। संध्या सिंह के मुताबिक, उनके बेटे ने वर्ष २०१८–१९ में नीट की परीक्षा दी थी। इसी दौरान उनके पास एक अंजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने अपना परिचय बिहार के बेगूसराय निवासी सत्यजीत उर्फ चीकू के रूप में दिया। उसने बेटे का प्रवेश सरकारी मेडिकल कालेज की एमबीबीएस सीट पर दिलाने का झांसा दिया। बातचीत के बाद आरोपित उनके घर पर भी मुलाकात करने आया था। आरोप है कि आरोपित ने दो साल की फीस एडवांस मांगी। आरोपित की बातों में आकर महिला ने कई बार में कुल ४१ लाख रुपये सत्यजीत के बताए बैंक खाते में जमा कराए। काफी दिनों तक इंतजार के बाद भी एडमिशन नहीं होने पर पीड़िता ने जब आरोपित से रुपये मांगे तो वह टालमटोल करने लगा। फिर धमकी भी देने लगा। परेशान होकर पीडिघ्ता ने पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर वारदात बताई। इसके बाद जानकीपुरम थाने में एफआइआर दर्ज की गई।

उत्तर प्रदेश में अब ४६ तरह के कृषि उत्पाद मंडी और विकास शुल्क से मुक्त

लखनऊ। कोरोना संकट के चलते मंडियों में भीड़ को रोकने और किसानों को राहत देने के लिए उत्तर प्रदेश में अब आम, अमरूद, केला, भिंडी, लौकी, गाजर और तरबूज समेत ४६ तरह केंषि उत्पादों की बिक्री पर मंडी और विकास शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस आशय की अधिसूचना जारी हो गई है। सोमवार से यह व्यवस्था यूपी में लागू कर दी गई है।निदेशक मंडी परिषद जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अब मंडी परिसर के बाहर भी इन उत्पादों की खरीद फरोख्त हो सकेगी। किसान चाहे तो मंडी परिसर का प्रयोग भी कर सकता है। उन्होंने बताया कि इन कृषि उत्पादों का सामान्य व्यापार प्रदेश में मंडी परिसर के बाहर कोई भी व्यक्ति कर सकता है। उसे किसी लाईसेंस या पंजीकरण कराने की आवश्यता नहीं होगी। इन उपजों के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा। मंडी में लाने के लिए कोई गेट पास लेने की जरूरत भी नहीं होगी। सरकार इन कृषि उत्पादों को पहले ही जीएसटी से मुक्त कर चुकी है।निदेशक मंडी परिषद जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मंडी परिसर के भीतर किसान चाहें तो इन उत्पादों की बिक्री कर सकते है। मंडी परिसरों की सामान्य सुविधाएं जैसे चबूतरा, प्रकाश, बिजली, पेयजल आदि का उपयोग करने पर किसान से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा लेकिन व्यापारी से एक प्रतिशत प्रयोक्ता प्रभार लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से किसानों को अपने खेत से उत्पादों को बेचने की छूट होगी। मुक्त व्यापार की शुरुआत से किसानों को अपने गांव में बाजार की सुविधा मिलेगी और आय वृद्धि में मदद मिलेगी।आम, सेब, हरी मटर, केला, अनार, बंद गोभी, फूल गोभी, मौसमी, अंगूर, पपीता, तरबूज, नारंगी, बैंगन, ककड़ी, खीरा, कद्दू, लौकी, गाजर, अरबी, अमरूद, मूली, पेठा, भिंडी, परवल, कटहल कच्चा, करेला, किन्नू, खरबूजा, तरोई, शकरकंद, चीकू , लीची, आवंला, कुंदरू, नाशपाती, नाख, जिमीकंद, टिंडा, बेर, माल्टा, आड़ू, लोबिया, कटहल पक्का, चकरोता, लोकाट, खुबानी, ब्रोकली व ग्रेपफ्रूट।

लखनऊ मे मासूम बच्चों को बंधक बनाकर लूट करने वाला मुठभेड़ में गिरफ्तार

लखनऊ। मड़ियांव के अजीजनगर में स्वास्थ्यकर्मी आशीष के दो बच्चों को बंधक बनाकर दिनदहाड़े लाखों के जेवर व नगदी लूटने के आरोपित से सोमवार शाम पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस आयुक्त सुजीत पांडेय के मुताबिक बाइक से जा रहे एक युवक को संदेह के आधार पर घैला पुल के पास रोका गया था। पुलिस को देखते ही बाइक सवार ने गोली चला दी। पुलिस ने बचाव में फायरिंग की। गोली आरोपित के बाएं पैर में जा लगी। आरोपित मूलरूप से सीतापुर निवासी वीरेंद्र यादव को गिरफ्तार कर इलाज के लिए भेजा गया है। आरोपित के पास से एक बैग में कीमती जेवरात बरामद किए गए हैं। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि २१ मई को वह अपने साथी के साथ आशीष के घर पहुंचा था। घर पर मौजूद आशीष की आठ वर्षीय बेटी अविका और पांच साल के बेटे अर्थव को झांसे में लेकर उसने दरवाजा खुलवाया था और भीतर दाखिल हो गए थे। इसके बाद दोनों बच्चों को बंधक बनाकर लाखों के जेवर व नगदी लूट ले गए थे। छानबीन में आशीष के परिचित की भूमिका सामने आई थी, जिसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर एक युवक को हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान वीरेंद्र का नाम उजागर हुआ था। तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस का कहना है कि वीरेंद्र का अपराधिक इतिहास सामने आया है। पूछताछ के बाद उसके अन्य साथियों को गिरफतार किया जाएगा।

दबंग ने शराब के नशे में महिला के ऊपर कुल्हाड़ी से किया हमला

लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली के अंतर्गत सिसेंडी ग्राम अमिलिया खेड़ा निवासी सीमा पत्नी सजीवन रोज की तरह अपने दरवाजे पर जानवरों को चारा पानी दे रही थी तभी गांव के मनोज उर्फ सिपाही पुत्र प्यारेलाल दारू के नशे में आकर महिला सीमा को भद्दी भद्दी गाली गलौज देने लगा जब महिला ने इसका विरोध किया तो मनोज ने महिला के ऊपर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया जिससे महिला की उंगली में कट गई जिसको देखकर महिला की दोनों बेटियां शालू और खुशबू अपनी पीड़ित मां को बचाने का प्रयास करने लगी तो मनोज और उसकी पत्नी मिलकर लाठी–डंडों से उसकी दोनों बेटियों को पीटने लगे किसी तरह पीड़ित मां एवं दोनों बेटियां अपनी जान बचाकर भाग निकली वही मनोज द्वारा जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है वही पीड़ित महिला थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र के माध्यम से पुलिस को सूचना दी पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज करते हुए कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ युवक को किया गिरफ्तार भेजा जेल

लखनऊ। लॉक डाउन मे पुलिस अपराधियो के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत लखनऊ आयुक्त सुजीत कुमार पांडे के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रईस अख्तर के कुशल पर्यवेक्षक पुलिस उपायुक्त दक्षिणी श्री सुरेश चन्द रावत व सहायक पुलिस आयुक्त संजीव कुमार सिन्हा मोहनलालगंज प्रभारी निरीक्षक गऊदीन शुक्ला के कुशल नेतृत्व मे एक अभियुक्त को अवैध तमन्चे के साथ किया गिरफ्तार पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक मोहनलालगंज कोतवाली चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत मोहनलालगंज पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक गऊदीन शुक्ला

मय पुलिस बल के साथ शांति व्यवस्था हेतु क्षेत्र मे गस्त कर रहे थे तभी फुलवरिया मोड के पास पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई पड़ा पुलिस को देखते ही वह भागने का प्रयास करने लगा लेकिन वह भागने मे असफल रहा पुलिस ने दौड़ाकर उसे मौके पर ही दबोच लिया नाम पता पूछने पर उसने अपना मनोज कुमार पुत्र स्वर्गीय राम औतार ग्राम फुलवरिया मजरा अतरौली थाना मोहनलालगंज जनपद लखनऊ अभियुक्त की जामा तलाशी लेने पर उसके पास से अवैध तमंचा १२ बोर एक जिंदा कारतूस बरामद किया पुलिस अभियुक्त को गिरफ्तार कर मोहनलालगंज कोतवाली लेकर आई अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया

चीन के मसले पर मोदी ने की बैठक

नई दिल्ली। सिक्किम से लेकर लद्दाख तक वास्तविक नियंत्रण रेखा, एलएसी पर चीन के साथ चल रही तनातनी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की। सीमा के आसपास चल रही चीन की गतिविधियों से निपटने के उपायों पर विचार के लिए प्रधानमंत्री ने यह बैठक बुलाई थी। इस उच्चस्तरीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल, चीफ अफ डिफेंस स्टाफ, सीडीएस बिपिन रावत और तीनों सेना प्रमुख शामिल हुए। इस बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने विदेश सचिव हर्षवर्धन शृंगला से भी चर्चा की। इससे पहले लद्दाख में तनाव पर रक्षा मंत्री की सीडीएस और तीनों सेनाओं के प्रमुखों से करीब एक घंटे मीटिंग हुई। जानकार सूत्रों के हवाले से खबर है कि दोनों बैठकों में मोदी और राजनाथ को चीन की हरकतों पर भारतीय सेना के जवाब की जानकारी दी गई। बताया जा रहा है कि मीटिंग में दो अहम फैसले किए गए। पहला, इस क्षेत्र में सड़क

निर्माण जारी रहेगा और दूसरा, भारतीय सैनिकों की तैनाती उतनी ही रहेगी जितनी चीन की है। गौरतलब है कि तनाव कम करने के लिए दोनों देशों के सैन्य अफसरों की कई मीटिंग हो चुकी हैं। सोमवार तक बातचीत बेनतीजा रही। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत–चीन के बीच करीब दो महीने से तनाव की स्थिति बनी हुई है। इस बीच खबर है कि चीन ने भारतीय इलाके में १० किलोमीटर भीतर घुसकर एक सौ से ज्यादा तंबू गाड़ दिए हैं। इस महीने दोनों देशों के सैनिकों के बीच तीन बार झड़प भी हो चुकी है। रक्षा जानकारों का कहना है कि अगर भारत और चीन की सेनाएं लद्दाख में आमने–सामने हुईं तो २०१७ के डोकलाम विवाद के बाद ये सबसे बड़ा विवाद होगा। इस बीच यह भी खबर है कि भारत ने पेंगोंग झील और गालवान वैली में सैनिक बढ़ा दिए हैं। इन दोनों इलाकों में चीन ने दो हजार से ढाई हजार सैनिक तैनात किए हैं, साथ ही अस्थायी सुविधाएं भी बढ़ा रहा है। गौरतलब है कि चीन लद्दाख के कई इलाकों पर अपना दावा करता रहा है।

मुंबई के होटल में लगी आग, २५ डॉक्टरों को बचाया गया

मुंबई। दक्षिण मुंबई के एक पांच मंजिला होटल में भयंकर आग लगने के बाद उसमें रह रहे २५

डॉक्टरों और दो अन्य लोगों को बचाया गया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार देर रात मेट्रो सिनेमा के नजदीक होटल फर्च्यून में आग लग गई और बृस्पतिवार तड़के आग पर काबू पाया जा सका। दमकल के एक अधिकारी ने बताया, ''आग होटल की पहली मंजिल से तीसरी मंजिल तक फैली।'' उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की आठ गाड़ियों को भेजा गया। उन्होंने बताया कि आग बिजली की तारों और केबलों, लॉबी में फॉल्स सीलिंग और होटल की पहली, दूसरी तथा तीसरी मंजिलों पर गलियारों तक ही सीमित थी।

शिवसेना, एनसीपी, कांग्रेस नेताओं की बैठक हुई

मुंबई। महाराष्ट्र में चल रही सियासी हलचल थमने के आसार हैं। दो दिन की गहमागहमी के बाद बुधवार को सत्तारूढ़ गठबंधन महाविकास अघाड़ी के नेताओं की एक अहम बैठक हुई, जिसके बाद सभी नेताओं ने कहा कि गठबंधन सरकार को कोई खतरा नहीं है। इससे पहले एनसीपी प्रमुख शरद पवार के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और मातुश्री जाकर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात के बाद कई तरह की अटकलें शुरू हो गई थीं। इसी बीच मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी महाराष्ट्र को लेकर टिप्पणी की थी, जिससे संशय और बढ़ गया था। इस बीच बुधवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के सरकारी आवास वर्षा बंगले पर महाविकास अघाड़ी गठबंधन के सहयोगियों की बैठक हुई, जिसमें मौजूदा घटनाक्रम पर चर्चा हुई। बैठक इस लिहाज से अहम थी कि पिछले दो दिनों से दो बड़े भाजपा नेता प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर चुके हैं। मीटिंग में गठबंधन तीनों पार्टियों शिव सेना, एनसीपी और कांग्रेस के बड़े नेता शामिल हुए। प्रदेश में एक तरफ भाजपा के नेता राष्ट्रपति

शासन लगाने की मांग कर रहे थे तो दूसरी ओर २५ मई की सुबह शरद पवार ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की। इसके बाद पवार ने लंबे अरसे के बाद उद्धव ठाकरे के घर मातुश्री जाकर उनसे मुलाकात की। उस मुलाकात में शिव सेना सांसद संजय राउत भी मौजूद थे। इसके बाद मंगलवार को एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने दो टूक शब्दों में कहा कि ठाकरे सरकार स्थिर है। राज्य सरकार पर कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि ठाकरे सरकार को समर्थन देने वाली कांग्रेस और राकांपा मजबूती से सरकार के साथ हैं। इसके बाद महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और राजस्व मंत्री बालासाहब थोराट ने भी कहा कि राज्य सरकार की स्थिरता को लेकर किसी तरह की शंका करने की जरूरत नहीं है। सरकार मजबूत है और पर्याप्त बहुमत है। शिव सेना सांसद संजय राउत ने भी कहा कि राज्य सरकार को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा– अगर राष्ट्रपति शासन लागू करने की कोई बात करता है तो इसके लिए गुजरात सबसे फिट राज्य है। गुजरात हाई कोर्ट ने गुजरात सरकार के बारे में जो टिप्पणी की है, उसे महाराष्ट्र भाजपा के नेताओं को पढ़ना चाहिए। प्रदेश भाजपा के नेताओं को तुरंत गुजरात जाकर सरकार के खिलाफ आंदोलन करना चाहिए।

भारत के दबाव में पीछे हटा नेपाल

काठमांडू। नेपाल ने नया नक्शा मंजूर करने और भारत के कुछ इलाकों को उसमें शामिल करने का इरादा फिलहाल टाल दिया है। नेपाल के संविधान में देश का नया नक्शा शामिल करने के प्रस्ताव पर बुधवार को चर्चा होनी थी। लेकिन इस मुद्दे पर सभी पार्टियों की सहमति नहीं बन पाई है। यह चर्चा पहले भी एक बार टलने के बाद बुधवार को तय की गई थी। अब ये चर्चा कब होगी इसका दिन नहीं तय किया गया है। नेपाल की संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में संशोधन के लिए बुधवार को चर्चा होनी थी। कानून मंत्री शिवमाया तुंबहाम्पे को दो बजे प्रस्ताव पेश करना था। गौरतलब है कि भारत ने हाल ही में लिपुलेख तक सड़क बनवाई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए इसका उद्घाटन भी किया था, इसके बाद ही नेपाल की सरकार ने विरोध जताते हुए १८ मई को नया मानचित्र जारी किया था। इसमें भारत के कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को अपने क्षेत्र में बताया था। इसके बाद २२ मई को संसद में संविधान संशोधन का प्रस्ताव भी दिया था। इसके बाद भारत के सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने चीन की ओर इशारा करते हुए

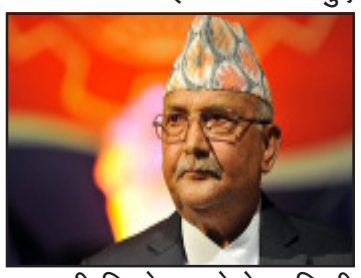

कहा थी कि नेपाल ने ऐसा किसी और के कहने पर किया। बहरहाल, नेपाल की सरकार को संविधान में संशोधन के लिए दो–तिहाई वोट की जरूरत है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सबकी सहमति से प्रस्ताव पारित करने के लिए मंगलवार शाम सभी पार्टियों की बैठक बुलाई थी, लेकिन मधेसी पार्टियों के नेता संशोधन के प्रस्ताव के साथ अपनी मांगों को भी शामिल करने का दबाव बना रहे हैं। इसी वजह से सहमति नहीं बन पाई। हालांकि यह भी माना जा रहा है कि भारत के दबाव में चीन पीछे हटा है।

कई दिनों से चल रहे विवाद में अब चीन का सुर बदला

बीजिंग। सिक्किम और लद्दाख सहित भारत–चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा, एलएसी पर पिछले कई दिनों से चल रहे विवाद में अब चीन का सुर बदल गया है। चीन ने बुधवार को कहा कि भारतीय सीमा पर स्थिति पूरी तरह से स्थिर और नियंत्रण में है। दोनों देशों के पास आपसी बातचीत के जरिए ऐसे मुद्दों को हल करने का तंत्र मौजूद है। चीन की ओर से कहा गया है कि बातचीत के जरिए मामले को सुलझा लिया जाएगा। इससे पहले एलएसी पर दोनों देशों ने अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ाई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि सीमा से जुड़े मुद्दों पर चीन की स्थिति स्पष्ट है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो अनौपचारिक शिखर सम्मेलनों का हवाला देते हुए झाओ लिजियन कहा– हम दोनों देशों के नेताओं की बैठक के बाद बनी महत्वपूर्ण सहमति और समझौते का सख्ती से पालन कर रहे हैं। इस बीच, भारत में चीन के राजदूत सुन वीडोंग ने कहा कि भारत और चीन साथ मिल कर कोरोना वायरस से जंग लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने दोनों देशों के संबंधों पर कहा– बेहतर संबंध रखना दोनों देशों की जिम्मेदारी है। दोनों तरफ के युवाओं को भी यह समझना चाहिए। हमें उन चीजों को दूर रखना होगा, जो आपसी रिश्तों पर बुरा असर डाले। आपसी चर्चा के जरिए ही मतभेद सुलझाने चाहिए। गौरतलब है कि लद्दाख में

हाल ही में गालवान नाला एरिया के पास चीन और भारत के बीत तनाव बढ़ गया है। एलएसी के पास कई सेक्टरों में चीन करीब पांच हजार जवान तैनात कर चुका है। पड़ोसी देश के इस कदम के बाद भारतीय सेना ने भी इन इलाकों में अपने जवान बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। इसी महीने दोनों सेनाओं के बीच तीन बार अलग–अलग जगहों पर टकराव हो चुका है। पिछले हफ्ते दोनों देशों की सेनाओं के कमांडर बातचीत कर मुद्दा सुलझाने की कोशिश भी कर चुके है। कश्मीर के मसले पर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का विफल प्रयास कर चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब भारत और चीन के बीच मध्यस्थता करने की पेशकश की है। भारत और चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद और सैनिकों की तैनाती बढ़ाए जाने की खबरों के बीच ट्रंप इस मामले में बिन बुलाए पंच के तौर पर कूद पड़े हैं। उन्होंने कहा है कि वे दोनों देशों के बीच बातचीत कराने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने इस मामले में एक ट्विट करके मध्यस्थता की पेशकश की है। इसमें उन्होंने लिखा है–हमने भारत और चीन दोनों को सूचित किया है कि अमेरिका इस सीमा विवाद मामले में मध्यस्थता करने के लिए तैयार है और ऐसा करने में सक्षम है। धन्यवाद! लद्दाख में दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा, एलएसी पर सैनिकों के आमने–सामने आने की घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का यह बयान सामने आया है।

एक दिन में 66 सौ से ज्यादा कोरोना मामले

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से बढ़ने का सिलसिला जारी है। बुधवार को संक्रमितों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ। देर शाम तक देश भर में ६६ सौ से ज्यादा नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर एक लाख ५७ हजार से ज्यादा हो गई। बुधवार को देर शाम तक कुल ६,६३३ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या एक लाख ५७ हजार ४४६ पहुंच गई। इनमें से ४,५२२ लोगों की मौत हुई है और ६६,२०३ लोग इलाज से ठीक हुए हैं। कुल संक्रमितों में से अभी ८६,८१८ लोग अस्पताल में भरती हैं। इसमें उत्तर प्रदेश का आंकड़ा शामिल नहीं है। कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा संक्रमित महाराष्ट्र में बुधवार को मरीजों की संख्या पिछले तीन दिन की औसत संख्या के बराबर रही। बुधवार को राज्य में २,१६० मामले आए, जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या ५६,६४८ हो गई। इससे पहले मंगलवार को दो हजार से कुछ ज्यादा मामले आए थे। महाराष्ट्र के बाद इपीसेंटर के तौर पर उभरे तमिलनाडु में ८१७ मामले सामने आए, जिसके बाद राज्य में मरीजों की संख्या १८,५४५ पहुंच गई। तमिलनाडु में पिछले एक हफ्ते से ज्यादा समय से छह सौ से ज्यादा मामले हर दिन आ रहे हैं। संक्रमितों की संख्या के लिहाज से सूची में शामिल तीसरे राज्य गुजरात में बुधवार को ३७६ मामले सामने आए, जिसके बाद राज्य में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर १५,२०५ हो गई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कई दिन तक लगातार कमी आने के बाद बुधवार को अचानक बड़ी बढ़ोतरी हुई। बुधवार को दिल्ली में ७६२ मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर १५,२५७ हो गई। इससे पहले की दिन से दिल्ली में पांच सौ से कम मामले आ रहे थे। बुधवार को राजस्थान में १४४ मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर ७,६८० हो गई। पश्चिम बंगाल में १८३ मामले सामने आए, जिसके बाद वहां संक्रमितों की संख्या ४,१६२ पहुंच गई है। बिहार में बुधवार को ३८ मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर ३,००६ हो गई। बाहर से मजदूरों के आने से असम में भी मामले तेजी से बढ़े हैं। वहां बुधवार को ६२ मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर ७७५ हो गई। कर्नाटक में भी संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वहां बुधवार को १३५ मामले

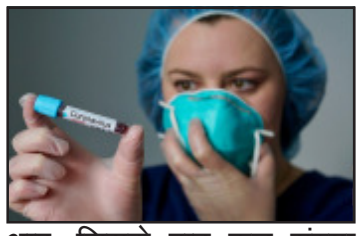

आए, जिसके बाद कुल संख्या २,४१८ पहुंच गई है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में १३४, पंजाब में ३३, हरियाणा में ७६, केरल में ४०, ओड़िशा में ७६, जम्मू कश्मीर में १६२ और उत्तराखंड में ३८ मामले ३८ नए मामले सामने आए। ये आंकड़े कोविड१६इंडिया डॉट ओआरजी की वेबसाइट पर आधारित है। भारत के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक बुधवार की देर शाम तक कुल एक लाख ५१ हजार ७६६ मामले थे। इनमें से ४,३३७ लोगों की मौत हुई है, जबकि ६४,४२५ लोग इलाज से ठीक हुए हैं और ८३,००४ लोग अस्पताल में भरती है। कोरोना वायरस से संक्रमितों में मरने वालों की संख्या में बुधवार को लगातार दूसरे दिन भारी बढ़ोतरी हुई। बुधवार की देर शाम तक देश भर में रिकार्ड संख्या में १७५ लोगों की मौत हुई। इसमें उत्तर प्रदेश का आंकड़ा शामिल नहीं है। इससे पहले मंगलवार को १६० लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले कई दिन तक मरने वालों का औसत सवा सौ लोगों का था। बहरहाल, बुधवार को उत्तर प्रदेश को छोड़ कर बाकी देश में १७६ लोगों के मरने के बाद कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़ कर ४,५२३ पहुंच गई है। कोरोना वायरस से सबसे अधिक संक्रमित महाराष्ट्र में मंगलवार को रिकार्ड संख्या में १०५ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की संख्या बढ़ कर १,८६७ हो गई। महाराष्ट्र के बाद वायरस के इपीसेंटर के तौर पर उभरे गुजरात में बुधवार को २३ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद राज्य में मरने वालों की संख्या बढ़ कर ६३८ पहुंच गई। इससे पहले मंगलवार को गुजरात में २७ लोगों की मौत हुई थी। संक्रमितों की संख्या के लिहाज से महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर आ गए तमिलनाडु में बुधवार को छह लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की संख्या १३४ पहुंच गई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को १५ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की संख्या ३०३ हो गई। पश्चिम बंगाल में छह लोगों की मौत हुई, जिसके बाद वहां मरने वालों की संख्या २८६ पहुंच गई। राजस्थान में दो लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की संख्या बढ़ कर १७२ पहुंच गई। मध्य प्रदेश में आठ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद वहां मृतकों का आंकड़ा ३१३ पहुंच गया। कर्नाटक में बुधवार को तीन लोगों की मौत हुई। हरियाणा और जम्मू कश्मीर में दो–दो लोगों की मौत हुई। आंध्र प्रदेश में बुधवार को एक व्यक्ति की मौत हुई। ये आंकड़े कोविड१६इंडिया डॉट ओआरजी की वेबसाइट पर आधारित है। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक बुधवार की देर शाम तक ४,३३७ लोगों की मौत हुई थी।

मजदूरों पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली और देश के दूसरे हिस्सों से पैदल चल कर अपने घर जा रहे मजदूरों के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ समय पहले कहा था कि लोगों को घर जाने से रोका नहीं जा सकता है। लेकिन मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने देश के अलग अलग हिस्सों से मजदूरों को लेकर आ रही खबरों पर संज्ञान लिया। सर्वोच्च अदालत ने मजदूरों की स्थिति में सुधार के लिए कुछ निर्देश भी दिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा– इस मामले में राज्य और केंद्र सरकार से गलतियां हुईं। अब केंद्र और राज्य सरकारें मिल कर प्रवासी मजदूरों की यात्रा, उनके ठहरने के स्थान और भोजन की व्यवस्था के लिए कदम उठाएं।

तीन जजों की बेंच ने केंद्र, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर २८ मई तक जवाब मांगा है। गौरतलब है कि २५ मई तक ३,२७४ श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलाई गईं। इनमें ४४ लाख यात्रियों ने सफर किया। अकेले २५ मई को ही २२३ स्पेशल ट्रेन चलाई गईं, इनमें दो लाख ८० हजार लोगों ने यात्रा की।

डब्लुएचओ ने दुनिया के देशों को दी चेतावनी

वाशिंगटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्लुचओ ने कोरोना वायरस के संकट को लेकर दुनिया के देशओं को चेतावनी दी। डब्लुएचओ ने खासतौर से उन देशों को चेतावनी दी है, जहां कोरोना संक्रमण के मामले कम हो रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है– जहां मामले घट रहे है, वहां ये अचानक बढ़ भी सकते है। इसलिए सिर्फ देखते न रहें। सरकारों को चाहिए कि वे महामारी रोकने के उपायों के साथ तैयार रहें। डब्लुचओ के इमरजेंसी प्रमुख डॉ. माइक रेयान ने कहा– दुनिया कोरोना संक्रमण की पहली लहर से जूझ रही है। कई देशों में मामले घट रहे हैं। मध्य और दक्षिण अमेरिका, दक्षिण एशिया और अफ्रीका में मामले बढ़ रहे हैं। रेयान ने कहा– महामारी वेब्स यानी लहरों के रूप में आती हैं। इसका मतलब

है कि ये इसी साल उन क्षेत्रों में दोबारा आ सकती है, जहां मामले थम रहे हैं। अगर फिलहाल चल रहे संक्रमण के पहले दौर को रोक भी लिया गया तो भी अगली बार संक्रमण की दर बेहद तेज हो सकती है। डॉक्टर रेयान ने कहा– यह समझने की जरूरत है कि महामारी दोबारा उभर सकती है। हम सिर्फ ये मान कर नहीं बैठ सकते कि आंकड़ों में कमी आ रही और संकट कम हो रहा है। इसका दूसरा दौर भी आ सकता है। उन्होंने कहा– यूरोप और उत्तरी अमेरिका को बचाव की कोशिश करते रहने चाहिए। लगातार जांच के साथ बचाव की रणनीति बनाते रहने की जरूरत है, ताकि दूसरे दौर पर पहुंचने से खुद को रोक सकें। कई यूरोपीय देशों और अमेरिकी राज्यों ने लकडाउन के साथ उन उपायों से भी मुंह मोड़ लिया है जो संक्रमण को रोकते हैं। ये अर्थव्यवस्था को भी ठीक रखते हैं।

अर्थव्यवस्था में और नकदी की जरूरत है : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस से प्रभावित अर्थवस्था को गति देने के लिए बाजार में और नकदी डालने की जरूरत है और राज्य सरकारों को २० लाख करोड़ रुपये मुहैया कराने चाहिए जबकि और १० लाख करोड़ रुपये सार्वजनिक–निजी साझेदारी के निवेश से आ सकते हैं। सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं सूक्ष्म–मध्यम–लघु उद्योग (एमएसएमई) मंत्री ने कहा कि इससे केंद्र सरकार द्वारा घोषित २० लाख करोड़ के पैकेज सहित ५० लाख करोड़ रुपये की तरलता बाजार में आएगी जिससे अर्थव्यवस्था पर कोविड–१६ की वजह पड़े विपरीत असर का मुकाबला करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, " मौजूदा परिस्थितियां बहुत गंभीर हैपूरी दुनिया मुश्किल का सामना कर रही है।" मंत्री ने रेखांकित किया कि संकट से मुकाबले के लिए अमेरिका ने दो ट्रिलियन डॉलर के पैकेज की घोषणा की है जबकि जापान ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के १२ प्रतिशत के बराबर पैकेज की घोषणा की है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित पैकेज जीडीपी के १० प्रतिशत के बराबर है। गडकरी ने कहा, "कोविड–१६ से प्रभावित अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए अब और अधिक संसाधन जुटाये जा सकते हैं और राज्य और २० लाख करोड़ रुपये का बजट मुहैया करा सकते हैं और न्यूनतम १० लाख करोड़ रुपये सार्वजनिक निजी निवेश से आ सकते हैं। इससे अर्थव्यवस्था में ५० लाख करोड़ रुपये आने से अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।।"

लॉकडाउन फेल, देश भुगत रहा नतीजेरू राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने के लिए लागू देश भर में लागू किए गए लॉकडाउन को विफल बताया है। उन्होंने कहा है कि लॉकडाउन अपने मकसद में सफल नहीं हो सका है। राहुल गांधी ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रेस कांफ्रेंस की और लॉकडाउन में छूट देने के सरकार के फैसले पर भी सवाल उठाया। राहुल कहा कि भारत दुनिया दुनिया का अकेला ऐसा देश है, जहां कोरोनावायरस तेजी से बढ़ने के बावजूद लकडाउन हटाया जा रहा है। राहुल ने कहा– लाकडाउन का मकसद फेल हो चुका है, देश इसके नतीजे भुगत रहा है। उन्होंने कहा कि चार फेज के लॉकडाउन के बाद भी वे नतीजे नहीं मिले, जिनकी उम्मीद प्रधानमंत्री कर रहे थे। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री पहले फ्रंट फुट पर खेल रहे थे, लेकिन लकडाउन फेल हुआ तो बैकफुट पर चले गए। उन्हें फिर से फ्रंट फुट पर आना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाते हुए राहुल ने कहा– प्रधानमंत्री और उनके प्रमुख सलाहकारों ने कहा था कि मई के आखिर तक कोरोनावायरस का असर घटने लगेगा, लेकिन ऐसा तो नहीं हो रहा। अब सरकार बताए कि आगे क्या प्लान है? लकडाउन खोलने की स्ट्रेटजी में प्रवासियों और राज्यों की मदद के क्या इंतजाम हैं? राहुल ने सरकार की ओर से घोषित आर्थिक पैकेज पर भी सवाल उठाया और कहा कि सरकार ने आर्थिक पैकेज में जो दिया, उससे कुछ नहीं होने वाला। लोगों के हाथों में पैसा पहुंचना चाहिए। आम लोगों और इंडस्ट्री को आर्थिक मदद नहीं मिली तो नतीजे खतरनाक होंगे। राहुल ने कहा– केंद्र को राज्यों की भी मदद करनी चाहिए। इसके बिना कांग्रेस शासित प्रदेशों को दिक्कतें आएंगी। चीन से चल रहे तनाव पर राहुल ने कहा कि सरकार को ये साफ बताना चाहिए कि कब–कब और क्या–क्या हुआ? नेपाल में क्या हुआ था और अब लद्दाख में क्या हो रहा है? इस बारे में अभी तक पारदर्शिता नहीं है। लकडाउन के बीते ६० दिन में ये राहुल की चौथी प्रेस कांफ्रेंस थी। इस दौरान उन्होंने दो बार नेशनल मीडिया से और दो बार रीजनल मीडिया से बात की।

यूपी में प्रधानमंत्री के विशेष राहत पैकेज से बनेंगे प्रवासी श्रमिकों व कामगारों के घर

लखनऊ। कोरोना की महामारी की वजह से दूसरे राज्यों से काम–धंधे छोड़कर लौटे प्रवासी श्रमिक–कामगारों को रोजगार के साथ आवास की व्यवस्था में भी योगी सरकार जुट

गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित विशेष राहत पैकेज से श्रमिक–कामगारों के लिए आवास निर्माण की व्यवस्था की जाए। उनके लिए डोरमेट्री बनाने से भी कम धनराशि खर्च कर रहने की अच्छी सुविधा दी जा सकेगी। इस संबंध उन्होंने अधिकारियों को योजना बनाने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर टीम–११ के अधिकारियों के साथ दूसरे राज्यों से लौट रहे श्रमिक–कामगारों से संबंधित व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की। सीएम योगी ने कहा कि सरकार विभिन्न राज्यों से सभी कामगारों–श्रमिकों की सुरक्षित व सम्मानजनक वापसी के साथ रोजगार व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्हें नियमित रूप से खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए राशन कार्ड भी बनाए जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बरसात के मौसम में मनरेगा से जुड़े कार्य सामान्य परिस्थितियों में नहीं कराए जाते। बरसात के मौसम में भी मनरेगा के कार्य कराने की वैकल्पिक संभावनाओं को तलाशा जाए। इससे इन्हें रोजगार उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कामगार–श्रमिकों के लिए एमएसएमई सेक्टर, एक जिला, एक उत्पाद योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। इसी तरह कृषि, डेयरी, पशुपालन आदि से जुड़ी गतिविधियों में भी रोजगार की संभावनाएं हैं। कामगार–श्रमिकों को इन सेक्टरों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों के कार्मिकों के साथ–साथ विभिन्न योजनाओं से जुड़े परंपरागत कामगारों का एक डेटा बैंक तैयार करें। इसमें श्रमिकों के बैंक खातों का विवरण भी सम्मिलित हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों द्वारा पीपीई किट, थ्री लेयर मास्क व अन्य वस्तुओं की खरीद राज्य सरकार के स्तर से की जाए। इससे प्रदेश में इन वस्तुओं को प्रोत्साहन मिलेगा।

पुलिस दम्पति ने मजदूरों और जरूरतमंदों को बाँटा भोजन और फल

लखनऊ। बाल चौपाल की आनंद भोग मुहिम के तहत पुलिस दम्पति सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व और रीना पाण्डेय मिश्रा (सब इंस्पेक्टर) के संयोजन में तीसरे बड़े मंगल पर सचल भंडारे का आयोजन करके हनुमत प्रसाद के रूप में १००० से अधिक दिव्यांगों , गरीबों , मजदूरों , जरूरतमंदों आदि को पूड़ी – सब्जी , बूंदी , सत्तू , खीरा – ककड़ी , केला , मोसम्मी , बिस्कुट , पानी की बॉटल , फ्रूटी , शर्बत , ब्रेड पकौड़ा और कच्चा राशन आदि का वितरण श्री संकट मोचन हनुमान जी मंदिर , लखनऊ विश्विद्यालय से शुरू करके डालीगंज, निराला नगर, महानगर, अलीगंज बंगलाबाजार सहित शहर के कई क्षेत्रों में किया गया। सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व और रीना पाण्डेय मिश्रा के नेतृत्व में बीना पाण्डेय , अभिषेक , आनंद कृष्ण ने इस नेक कार्य में अपना सहयोग दिया । इस प्रचंड गर्मी में नंगे पाँव चल रहे कुछ मजदूर भाई बहनों और उनके बच्चों को सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व और रीना पाण्डेय मिश्रा ने पैरों में पहनने के लिये चप्पल भेंट करके इंसानियत की मिसाल प्रस्तुत की गयी।

हर कोविड अस्पतालों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नजर

लखनऊ। कोरोना संक्रमण से बचाव और उपचार को हर संभव प्रयास कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तमाम कार्य ऐसे किए हैं, जो संभवतः दूसरे राज्यों के लिए भी उदाहरण बने हैं। ऐसा ही अनूठा योगी का कोविड अस्पतालों की निगरानी का भी मॉडल है। जिलों में नोडल अफसर, जिलाधिकारी और अन्य अधिकारी तो अलग हैं, सीधे मरीजों से फीडबैक की सीएम योगी ने अलग व्यवस्था बनाई है। किसी भी अस्पताल में चाहे चादर मैली बिछी हो या डॉक्टर या नर्स समय पर नहीं आए, इसकी रिपोर्ट हर शाम को मुख्यमंत्री के सामने होती है। हालांकि, अब तक सीएम योगी इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में अधिकतर अस्पतालों से सकारात्मक फीड बैक ही मिला है। उत्तर प्रदेश में जब से कोरोना संक्रमण की महामारी ने पैर पसारे हैं, तभी से इसके खिलाफ जंग की कमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद संभाल रखी है। सबसे पहले उन्होंने शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम–११ बनाई। उसके साथ प्रतिदिन खुद बैठक कर हालात और व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हैं। इसके अलावा हर राज्य से श्रमिक–कामगारों की वापसी और वहां उनकी मदद के लिए नोडल अधिकारी, फिर प्रदेश के सभी जिलों में व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी। नोडल अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है कि अपने–अपने जिले में कोविड अस्पताल और क्वारंटाइन सेंटरों का निरीक्षण कर देखते रहें कि मरीजों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो। सारे प्रबंध बेहतर हों। इसकी रिपोर्ट भी ली जा रही है। इस सबके ऊपर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक और निगरानी तंत्र बनाया है, जो यह सुनिश्चित कर रहा है कि तमाम प्रयासों के बाद भी कहीं कोई कमी न रह जाए। दरअसल, मुख्यमंत्री

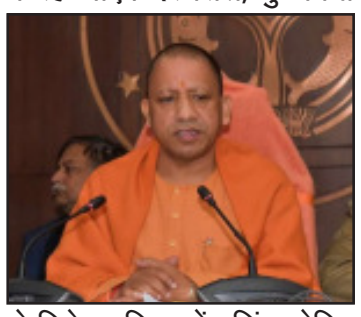

के विशेष सचिव सुरेंद्र सिंह कोविड मरीज और मुख्यमंत्री के बीच की कड़ी बने हुए हैं। वह हर दिन अलग–अलग क्षेत्रों के १५ से २० अस्पतालों के ३५–४० कोरोना संक्रमित मरीजों से फोन पर बात करते हैं। अस्पताल की व्यवस्था के संबंध में उनसे फीडबैक लेते हैं। वह जो भी जवाब देते हैं, उसकी पूरी रिपोर्ट तैयार कर शाम को मुख्यमंत्री को सौंप देते हैं। इसके बाद यदि कहीं खामी पाई जाती है तो संबंधित जिलाधिकारी, नोडल आफिसर, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आदि को निर्देशित कर उस कमी में सुधार करा दिया जाता है।

अद्भुत प्रथा : पत्थर से लिंग जाँच की प्रथा

अमरेन्द्र सहाय अमर

सामान्य तौर पर गर्भ में पल रहे शिशु के लिंग का पता करने के लिए सोनोग्राफी का सहारा लिया जाता है, लेकिन ये कानूनी तौर पर अपराध है. अगर कोई पैथालाजी लिंग जांच में पकड़ा जाता है तो उस पर कानूनी कार्यवाही की जाती है. लेकिन झारखंड में एक ऐसा हैं. झारखंड के लोहरदगा स्थित खुखरा गांव में एक ऐसी पहाड़ी है. यह पहाड़ी गर्भ में पल रहे नवजात लड़का है या लड़की इस बारे में बता देती है. वाकई अद्भुत है यह प्रथा .यहाँ के लोगों के अनुसार एक भी रुपये खर्च किए बिना हम यह पता कर लेते हैं गर्भवती महिला के पेट में लड़की है या लड़का. चांद पहाड़ एक प्रमाणित वरदान है. इन महिलाओं को इस पहाड़ की ओर बस एक पत्थर फेंकना होता है. यह पत्थर बता देता है कि महिला के गर्भ में पल रहा शिशु बालक है या बालिका. पहाड़ पर चांद की आकृति खुदी हुई है. जिसपर एक निश्चित दूरी से निशाना लगाना होता है. अगर गर्भवती स्त्री के हाथ रही है जयंती देवी, जो दो पुत्रों की मां है, इस परंपरा पर अटूट विश्वास रखती हैं. क्योंकि उन्होंने दोनों ही पुत्रों के जन्म से पहले चांद ओंति के भीतर पत्थर मारने में सफलता पाई थी. ७६ वर्षीय बुजुर्ग तुलसी दास बताते हैं कि उन्हें परंपरा की शुरूआत विषय में तो उनके बुजुर्ग जानकारी नहीं दे पाए थे लेकिन मन के कौतुहल को शांत करती हैं. शिशु के जन्म के बाद उनका विश्वास परंपरा के प्रति पक्का हो जाता है. स्थानीय लोगों के अनुसार चांद पहाड़ मूल रूप से नागवंशी राजाओं के मनोरंजन के पार्क के रूप में विकसित किया गया था. पहाड़ के ऊपर शिवलिंग और कुंड जैसी ओंतियां गवाह हैं कि वहां

इलाका है जहां आज भी लिंग जांच की प्राचीन प्रथा पर लोगों का अटूट विश्वास है. आज भी एक पहाड़ी से पत्थर फेंक कर गर्भस्थ बच्चे के लिंग जाँच की परंपरा निभाई जाती है. परंपरा ऐसी कि जिसके बारे में जानकर आप दांतों तले उंगली दबा सकते यह प्रथा यहां चार सौ साल पहले नागवंशी राजाओं के शासन काल से चली आ रही है. लोगों के मुताबिक ये पर्वत बीते ४०० सालों से लोगों को उनके भविष्य के बारे में जानकारी दे रहा है. इस पर्वत के प्रति लोगों की बहुत श्रद्धा है. खुखरा गांव में गर्भवती महिलाओं के लिए से छूटा पत्थर चांद की आकृति के भीतर जा लगे तो यह इस बात का संकेत है कि उस स्त्री को बालक शिशु होगा. लेकिन चांद आकृति से बाहर पत्थर लगने पर बालिका शिशु होगी. यह परंपरा यहां चार सौ साल पहले नागवंशी राजाओं के शासन काल से अब तक चल इसकी सार्थकता आज भी प्रामाणिक है. गांव के एक शिक्षक सरोज कुमार कहते हैं कि ग्रामीण परिवेश के कारण बहुत सी गर्भवती महिलाएं दूसरों की नजरों से बचकर चांद पहाड़ के पास पहुंचती और अपने आप में एक प्रोंतिक अल्ट्रासाउंड की तरह कायम परंपरा से अपने नागवंशी राजा पूजा पाठ भी करते थे। इसके ठीक बगल में चांदनी पहाड़ है. जिसमें नागवंशी रानियां विहार करती थी. आज दुनिया के लोग चाँद तारों की खोज में लगे है तो कुछ लोग अज भी अपनी प्राचीन परम्पराओं को छोड़ने को तैयार नहीं।

शांति भंग की आशंका में लोग गिरफ्तार

मोहम्मद अरशद

मऊ। जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान थाना दोहरीघाट पुलिस द्वारा शैलेन्द्र निवासी हेमई, प्रियाशु, निहाल निवासीगण पनईल, शिवम निवासी मो०बाद थाना बडहलगंज गोरखपुर, थाना घोसी पुलिस द्वारा प्रितम निवासी अमिला, जितेन्द्र, लालबिहारी, बुद्धु निवासीगण रामपुर गुड़िया, पूर्नवासी निवासी हासपुर, जयराम, इन्दल निवासीगण तिघरा, उदय नारायण, अंकित, सत्यनारायण, पारसनाथ, विशाल निवासीगण खत्रीपार थाना घोसी, थाना मधुबन पुलिस द्वारा रामनरेश निवासी मुंडाडाह, चन्द्रपाल निवासी सिकन्दरपुर थाना भीमपुरा बलिया, किसुन, श्यामसुन्दर निवासी बहरामपुर, मनोज, मनीष, बेचन, अर्जुन, बिर्जू, सोनू, उमाशंकर, डाक्टर, श्रीचन्द्र, वृजभान, सनोज निवासीगण पांति थाना मधुबन, थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा हरिश्चन्द्र, फौजदार निवासीगण नगरीपार थाना मुहम्मदाबाद, थाना रानीपुर पुलिस द्वारा शिवास, नितिश निवासीगण खीरीया, लौटू, लालबहादुर, रामरूप, चन्दन निवासीगण खण्डेरायपुर, गुलाब, महेन्द्र, राहुल, बच्चूलाल, सूर्यनाथ निवासीगण दतेहरी थाना रानीपुर, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा हरिश्चन्द्र, छोटेलाल निवासीगण मुसरदह, अवनीश निवासी परदहा, छोटेलाल, इन्तियाज निवासीगण छोटी रहजनिया थाना कोतवाली मऊ को अन्तर्गत धारा १५१ सीआरपीसी गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

२ वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मोहम्मद अरशद

मऊ। जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान सरायलखंसी पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान ताजपुर के पास से मु०अ०सं० ४६१६ २० धारा ३२३,५०४,५०६,३०८ भादवि० में वांछित अभियुक्त रामनाथ यादव पुत्र रामबचन निवासी ताजपुर थाना सरायलखंसी मऊ, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा नवापुरा नाला के पास से मु०अ०सं० ३०३६२० धारा ३६३,३६६ भदवि० में वांछित अभियुक्त रवि भारद्वाज पुत्र रामानन्द निवासी मिर्जापुर थाना दुल्लहपुर गाजीपुर को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

जमीनी विवाद के चलते अधेड नहर में कूदा, अधेड का शव बरामद

बनवारी लाल कुशवाहा

शिकोहाबाद। सोमवार को एक अधेड ने परिवार में जमीनी विवाद के चलते दिखतोली के पास पुल से नहर में छलांग दी। अधेड के नहर में कूदने से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्वजनं भी रोते बिखलते हुए मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अधेड को नहर में करीब तीन घण्टे बाद शव बरामद कर लिया। राकेश कुशवाह ५८ पुत्र श्यामबाबू कुशवाह निवासी कटरामीरा सोमवार की सुबह नो बजे के करीब पडोस मे रहने वाले किशोर शिवानंद पुत्र हरिप्रसाद को साइकिल पर बैठाकर घर से दिखतोली की ओर गये था। दिखतोली नहर पुल आते ही वह साइकिल छोडकर पुल से नहर में छलांग लगा दी। जब किशोर ने अधेड को नहर में छलांग लगाते हुए देखा तो उसने शोर मचा दिया। किशोर का शोर सुनकर आसपास के ग्रामीणों की भीड जमा हो गई। किशोर की सूचना मिलते ही स्वजनं रोते बिखलते हुए मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। ग्रामीण व स्वजनो ने अधेड को खोजने के लिए नहर में खोजबीन अभियान चलाया। हालाकि नहर में पानी बहुत कम होने के बाद भी खोजबीन अभियान में काफी दिक्कत आ रही थी।

पुल के आसपास नहर में पानी अधिक मात्रा में था। लेकिन काफी प्रयास के लगभग तीन घण्टे बाद अधेड का शव नहर से बरामद हो गया। अधेड की पत्नी कपूरी देवी ने बताया कि मुस्तफाबाद रोड पर दुकान बनाने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन स्वजनं बनने नही दे रहे थे। उन्होने चार पांच दिन पूर्व उनकी मारपीट कर दी थी। मामले की थाने में शिकायत भी की थी लेकिन कोई कार्यवाई नही हुई। जिससे नाराज होकर उन्होने नहर में छलांग लगाई है। घटना के बाद से पत्नी व बच्चों का रो रोकर बुरा हाल हो रहा था। इस बारे मे इंस्पेक्टर अनिल कुमार का कहना है कि अधेड का भाईयों भाइयों में बटबारे को लेकर विवाद था जिसके चलते शायद उसने यह कदम उठाया हैं। अभी तक मामले की कोई तहरीर नही आई है तहरीर आने पर कडी कार्यवाई की जायेगी। अधेड अपने पीछे दो बालक सन्नी, राहुल व तीन बेटिया बबली, सोनी, कंचन को रोता बिखलता छोड गया है। मुहल्ले के अन्य लोग उन्हें ढाढस बधा रहे थे। अधेड मक्खनपुर के किसी कारखाने में काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था।

तेज रफ्तार से ट्रक ने मैकेनिक को कुचला,मौके पर मौत

लखनऊ। इंश्योरेंस फिटनेस बगैर सड़क पर दौड़ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने एक जिंदगी को कुचल दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही में जुट गई रहमत नगर गांव निवासी संदीप वर्मा २७ वर्ष बजाज एजेंसी में मैकेनिकल का कार्य करता था एजेंसी पहुंचने पर एक मोटरसाइकिल का ट्रायल लेने के लिए सड़क किनारे मोटरसाइकिल चेक कर रहा था तभी अचानक मौत बनकर पीछे से अनियंत्रित ट्रक नम्बर न्च ३८ टी ००५७ ने मकैनिक को रौंदते खंभे से टकरा गई यह मंजर देख कर लोगों में चीख–पुकार मच गई हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी पुलिस सूत्रों का कहना है कि ट्रक नंबर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रहे हैं इसके अलावा ट्रक इंश्योरेंस व फिटनेस के बगैर सड़क पर दौड़ रहा था

विद्युत विभाग की हिटलर शाही से त्रस्त हैं उपभोक्ता

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर–खीरी। औरंगाबाद विद्युत उपभोक्ता विद्युत विभाग की हिटलर शाही से त्रस्त हैं तथा उन्हें मात्र ८ से १० घण्टे बिजली मिल पा रही है वो भी हाई लो वोल्टेज ट्रिपिंग अनगिनत के साथ में जिससे उपकरण किस समय चले जायेंगे कुछ पता नही हैं। भीषण गर्मी के चलते आमजन चाहे किसान व्यापारी हो या छात्र सभी गर्मी से बेहाल किसान तो त्रस्त है उसकी फसल सुख रही है परन्तु विधुत कर्मियों को कोई रहम नही सरकार की मंशा १८ घण्टे ग्रामीणों क्षेत्रो में विधुत आपूर्ति हो मंशा के विपरीत विभाग काम कर रहा सरकार को बदनाम करने का हर सम्भव प्रयास विद्युत विभाग कर रहा है ।

बालू खनन का कारोबार करने वालों पर पुलिस ने की कार्यवाही

कृष्ण कुमार शुक्ला

पलियाकलां–खीरी। पलिया सी०ओ० राकेश नायक, कोतवाल विद्याशंकर शुक्ला के नेतृत्व में पलिया पुलिस की अवैध बालू खनन का कारोबार करने वालों पर बड़ी कार्यवाही रात दो बजे से पुलिस की धरपकड़ में चार ट्रालियां कब्जे में आईं। सीओ के बताने के मुताबिक लगभग ५०० ट्रालियों का माल घरों में डंप किया गया था । लगातार मिल रही शिकायतों के बाद हुयी कार्यवाही से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

दिहाड़ी मजदूरों के ४० परिवारों को दी सहायता

बनवारी लाल कुशवाहा

शिकोहाबाद। कोरोना वैश्विक महामारी में लगातार मानव सेवा में समर्पित एमएस वीवा एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा मंगलवार को कोटला पजाव नई बस्ती के जरूरतमंदो एवं दिहाड़ी मजदूरों के ४० परिवारों को आटाए चावल , आलू , मसालों, लोकी का वितरण किया गया । राशन वितरण करते समय सभी के हाथों को सैनिटाइज किया गया। ट्रस्ट की संचालिका नंदिनी यादव ने सभी से आग्रह किया कि घर से बाहर निकलते समय आप लोग माफ का प्रयोग अवश्य करें एवं एक दूसरे से दूरी बनाकर रखें। इस दौरान पावन शर्मा, देश दीपक, गौरव कुशवाह, उत्तम यादव, अतुल यादव, रिक्की ठाकुर, राजेश भारद्वाज, मनोज राठौर आदि का सहयोग रहा ।

'कम खर्च में जिले की ३६० बेटियों के हाथ हो गए पीले'

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। लाकडाउन में शर्तो के साथ शादी के अनुमति के मिलने के बाद जिले की सभी सात

शादी में रूकी फिजूलखर्ची को लोग बता रहे जायज
१०-१५ संबधितों के साथ वर-वधू ले रहे अग्नि के सात फेरे

तहसीलों की ३६० बेटियों के हाथ पीले हुए, प्रशासन से अनुमति के बाद अपनी बेटियों की शादी करने वाले ज्यादातर माता–पिता ने शादी–बारात में रूकी इस फिजूलखर्ची का लोग जायज बता रहे है। लॉकडाउन में ३६० बेटियों के हाथ बेहद कम खर्च में पीले हो चुके है। बताते चले कि बैंड न बाजा और ना ही धूमधड़ाका न गननभेदी आतिशबाजी की आवाज सुनाई दी। मात्र १०–१५ सगे संबधितों के साथ दूल्हे राजा सादगी से बारात ले जाकर शादी की रस्में पूरी कर रहे है। शादी में फिजूलखर्ची पर विराम लगने को ज्यादातर लोग जायज बता रहे है और कहते है कि काश इसी तरह से शादियां होती रहें। ताकि किसी मां बाप को अपनी बेटी के हाथ पीले करने के लिए कर्ज हेतु किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े। लाकडाउन में शादी के अनुमति लेने आये लोगो से बात की तो पता चला कि लाकडाउन गरीब कन्याओं की शादी हेतु वरदान साबित हो रहा है। तमाम लोगों को अपनी बेटियों के हाथ पीले करने के लिए खेत तक गिरवी रखने पड़ते थे। बताते चले कि

जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने लाकडाउन में शर्तो के साथ शादियों की अनुमति हेतु सम्बन्धित उपजिलाधिकारियों को अधिकृत किया। तहसीलवार प्रदान की गई अनुमति इस प्रकार है सदर तहसील में ६१, गोला गोकर्णनाथ ३५, मोहम्मदी १७३, पलिया ०६, निघासन ३४, धौरहरा ०२ एवं मितौली मे ७६ शादियों की अनुमति प्रदान की गई है।

लोहिया अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को राम मनोहर लोहिया अस्पताल के

इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण करने के साथ मरीजों से बातचीत कर उनका हाल–चाल जाना। मुख्यमंत्री योगी ने इमरजेंसी वार्ड में मरीजों की भीड़ को व्यवस्थित करने के निर्देश देने के साथ कहा कि मरीजों के इलाज में कोई दिक्कत न हो। इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों की उपलब्धता हर वक्त बनी रहे। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड में डक्टर बढ़ाने के लिए भी कहा। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड में कोविड–१६ और सामान्य मरीजों की भर्ती से संबंधित व्यवस्थाएं देखीं। इमरजेंसी वार्ड में आने वाले मरीजों को किस तरह से रेड, येलो और ग्रीन जोन में भेजा जाता है इसके बारे में मुख्यमंत्री ने विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने मरीज के पर्चा काउंटर स्क्रीनिंग और फीवर क्लीनिक के बारे में भी पूछताछ की। निदेशक प्रोफेसर एके त्रिपाठी ने संस्थान में की गई तैयारियों के बारे में मुख्यमंत्री योगी को जानकारी दी। योगी ने इमरजेंसी में आने पर कोरोना के संदिग्ध संक्रमितों को भर्ती करने के लिए अलग से बनाए गए वार्ड को भी देखा। उधर, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह बुधवार को बलरामपुर अस्पताल पहुंचे और स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां ओपीडी शुरू करने को लेकर व्यवस्थाएं देखी। बताया जा रहा है कि अस्पतालों में ओपीडी शुरू करने से पहले तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है। वह इस सिलसिले में राजधानी के अन्य अस्पताल भी जा सकते हैं।

टांसफार्मर में लगी आग पांच हजार घरों में हुआ अंधेरा

लखनऊ। मई माह में सबसे अधिक तापमान २४ मई को रहा। इस दिन बिजली की खपत भी एकदम से बढ गई। ऐसे में राजधानी के अलग अलग हिस्ड्सों में बिजली संकट भी रहा। कानपुर रोड खंड के इंद्रलोक हाइडिल कलोनी स्थित उपकेंद्र में रविवार दोपहर को ३३ हजार केवी की बिजली सप्लाई के सिस्टम में धमाका होने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। पुराने लखनऊ गढी पीर का वार्ड खंजर वाली तकिया कब्रिस्ड्तान में टांसफार्मर में आग लग गई, इसके कारण मुहल्ड्ले में भगदड मच गई। मौके पर पहुंची दमकल गाडियों की मदद से आगे पर काबू पाया गया, वहीं बिजली महकमे को टाली टांसफार्मर रखकर आपूर्ति बहाल करने में कई घंटे लग गए, इसके कारण स्थानीय उपभोक्ताओं को बिजली व पानी दोनों ही संकट का सामना करना पडा। कानपुर रोड स्थित इंद्रलोक हाइडिल कालोनी के एक पावर ट्रांसफार्मर बंद हो गया। इससे कानपुर रोड के लगभग ५००० घरों की बिजली गुल हो गई त्र अधिशासी अभियंता ने बताया कि दोपहर करीब पौने दो बजे उपकेंद्र के इनकमिंग सिस्टम में धमाका होने से ३३ केवी की सप्लाई बंद हो गई। इसी उपकेंद्र पर स्थित एक पावर ट्रांसफार्मर से जनता की बिजली सप्लाई ठप हो गई। वहीं धमाके से सिस्टम में आए फाल्ट को सही करने में इंजीनियर और कर्मियों को लगभग सवा तीन घंटे का समय लगा। अधिशासी अभियंता के मुताबिक इनकमिंग की सप्लाई बंद होने से हिंद नगर एवं विजय नगर दोनों फीडरों से पोषित क्षेत्रों में बिजली संकट रहा

मुंबई में रोजाना ४५०० फूड पैकेट बांट रहे अमिताभ

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद लोगों के बीच हर दिन ४५०० फूड पैकेट बांट रहे हैं। कोरोना

वायरस के कारण चल रहे लॉकडाउन में बलीवुड स्टार फ्रंटलाइन वरियर्स बनकर जरूरतमंदो की मदद करने के लिए सामने आए हैं। अमिताभ बच्चन भी लगातार इस कठिन समय में लोगों की मदद करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वह कोविड–१६ के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कई सरकारी प्रोजेक्ट में जुड़े रहे हैं। अमिताभ बच्चन की तरफ से एबी कॉर्प लिमिटेड के एमडी राजेश यादव जरूरतमदों के लिए सराहनीय काम कर रहे हैं। २८ मार्च के बाद से वह मुंबई के अलग–अलग स्थानों जैसे हाजी अली दरगाह, अनटॉप हिल, घारावी, जुहू आदि पर रोजाना ४५०० पैकेट पका हुआ खाना बांट रहे हैं। अमिताभ बच्चन की टीम अभी तक अनगिनत मास्क, सैनिटाइजर और २० हजार से भी ज्यादा पीपीई किट्स मुंबई के अस्पतालों में बांट चुकी है। इसके अलावा अमिताभ की टीम ०६ मई से रोजाना २००० ड्राई फूड पैकेट, २००० पानी की बोतलें और करीब १२०० जोड़ी चप्पल बांट रही है। यह सब उन प्रवासी मजदूरों के लिए है जो मुंबई से अपने घर जा रहे हैं। अमिताभ को प्रवासियों को बस से उत्तरप्रदेश भेजने का विचार आया था। काफी प्रयासों के बाद उनकी टीम ने इस गुरुवार को १० से अधिक बसों को उत्तर प्रदेश भेजेगी। इन बसों को हाजी अली से भेजा जाएगा।

आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगे सभी उपकेंद्र : श्रीकांत शर्मा

राकेश पाण्डेय निश्छल

लखनऊ। ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा उपकेंद्रों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी उपकेंद्र आर्थिक रूप से सक्षम बनेंगे तो उपभोक्ताओं के साथ ही कार्मिकों का भी भला होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि यूपीपीसीएल अध्यक्ष नियमित इसकी समीक्षा करें, लापरवाही पर जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि उपकेंद्रों को लाइन हानियों के हिसाब से ग्रीन, अरेंज व रेड कैटेगरी में बांटा गया है। १५ फीसदी से कम लाइन हानि पर ग्रीन, पिछले वर्ष डिस्कम की औसत लाइन हानि की सीमा तक अरेंज व उससे ऊपर लाइन हानि वाले उपकेंद्र को रेड कैटेगरी में रखा गया है। प्रदेश के सभी ४४१८ उपकेंद्रों को श्रेणीवार ग्रीन, ऑरेंज व रेड में बांटा गया है। उन्होंने सुधार कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी भी जताई। निर्देश दिया कि सभी डिस्कम के प्रबंध निदेशक इसकी स्वयं से समीक्षा करें। ढिलाई स्वीकार्य नहीं है। भविष्य में एमडी की भी जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर उपकेंद्र को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने हेतु उपभोक्ता सेवाओं में सुधार, तकनीकी का अधिक से अधिक उपयोग और मितव्ययिता पर काम करने की जरूरत है। उपभोक्ताओं को बिना असुविधा सभी सुविधाएं मिलें, यह सुनिश्चित कराया जा रहा है। उपकेंद्र पर जितनी बिजली जा रही है उतना राजस्व भी विभाग को मिले। इसके लिए सभी प्रकार की सहूलियतें दी जा रही हैं। सेवा और व्यवहार सही है तो उपभोक्ता बिजली घर तक चलकर बिल जमा करने आते हैं। उन्होंने कहा कि अभी हम १५ प्रतिशत से कम लाइन लस वाले गांवों में भी २४ घंटे बिजली दे रहे हैं। शहरों में हम पहले से ही निर्बाध आपूर्ति दे रहे हैं, लाइन हानियां कम होंगी तो निश्चित रूप से उसका लाभ नीचे तक उपभोक्ता को जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में बेहतर कार्य करने वाले कार्मिकों को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

विद्या बालन बनीं निर्माता

मुंबई। बॉलीवुड में अपने संजीदा अभिनय के लिये मशहूर विद्या बालन अब निर्माता बन गयी है। विद्या ने नटखट नाम की शॉर्ट फिल्म प्रोड्यूस की है, जिसका फर्स्ट लुक उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। विद्या फिल्म में लीड रोल भी निभा रही हैं। विद्या ने पोस्टर के साथ लिखा है, एक कहानी सुनोगे। बतौर निर्माता और एक्टर मेरी पहली फिल्म का फर्स्ट लुक। नटखट को विद्या बालन के साथ रॉनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में विद्या सुरेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। फिल्म का निर्देशन शान व्यास का है। विद्या ने कहा ,इस फिल्म को बनाने की वजह यह है, क्योंकि यह वक्त की जरूरत है। यह बच्चों के शुरुआती सालों में लैंगिक समानता की अहमियत के बारे में बात करती है। ताकि उन्हें ऐसे विचारों से बचाया जा सके, जो समाज में अंदर तक बैठे हुए हैं और जहां हानिकारक पुरुषत्व को सेलिब्रेट किया जाता है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक